1.

Ch 5 H.Hindi

'रंग जाती एक ऋतु' VIII A/B H.Hindi

Page No. Date: / /

शब्दार्थ

तृप्त = सन्तुष्ट
अनायास = बिना प्रयास
अनगिनत = असंख्य
ठाँव = स्थान
झेल = सहना
बखान = वर्णन किया

कवि परिचय –

भारतभूषण अग्रवाल का जन्म अगस्त 1919 को मथुरा मे हुआ था। उनकी प्रमुख कृतियाँ हैं – कवि के बंधन, अनुपस्थित लोग, एक उठा हुआ हाथ। 'उतना वह सूरज है' इसके लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 23 जून 1975 को इनका स्वर्गवास हो गया।

(Note) (मौखिक प्रश्नों के उत्तर कक्षा में दिए जा चुके हैं।)

लिखित :-

1क खिंच गई गंध की लकीर-सी द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं ?

= कवि को रंग बिरंगे फूलों की खुशबू ने बहुत ही प्रभावित किया। कवि को यह अहसास हुआ कि वह गंध उनके तन मन में समा गई हो अर्थात कवि को फूलों की खुशबू ने बहुत रोमांचित कर दिया

इस सुगन्ध ने उनके दिलो दिमाग पर बहुत गहरा प्रभाव डाला।

(ख) फूलों के रंगों से कवि को रंगो की बरसात का अनुभव क्यों होने लगा?

= कवि फूलों की रंग बिरंगी क्यारी को देखकर बहुत ही प्रभावित होता है। उसकी आँखो में इन्द्रधनुषीय रंग बिखर जाते हैं और मन खुशी से झूम जाता है उसे लगता है कि इतने सुन्दर रंग सारी क्यारी मे बसन्त ऋतु ने छिड़क दिए हैं। इसीलिए वह बसन्त ऋतु को मन ही मन धन्य कह रहा था।

(ग) फूल ने अपनी किन किन कठिनाइयों का वर्णन किया?

= फूल ने कवि से कहा कि उसने मिट्टी के अंधेरे को अथक परिश्रम से तोड़ा और धरती पर आया। जिस पर वह उगा उसने सूरज की तपिश को झेला। उसने स्थिर हो कर एक टाँग पर खड़े हो कर तेज धूप, वर्षा तथा आंधी का सामना किया और बसन्त ऋतु को सुन्दर बनाया।

(घ) 'सूरज को तपा है पूरी आयु एक पाँव पर' का भावार्थ क्या है?

= नन्हा फूल कवि से कहता है कि उसने और उसके साथियों ने एक पैर पर खड़े होके सूरज की तपिश, आंधी और तूफान, बरसात कड़कड़ाती ठंड पाले को सहा है और हमारे परिश्रम ने ही बसंत ऋतु को इतना सुन्दर बनाया है।

VII/A/B ch 5 H. Hindi - रंग जाती एक ऋतु

Page No.
Date: / /

ङ. तुमसे भी रंग जाती एक ऋतु फूल ने कवि से ऐसा क्यों कहा ?

= कवि ने फूल से ऐसा इसलिए कहा क्योंकि बसंत ऋतु के आने पर रंग बिरंगे फूल खिल जाते हैं बागो में बहार आ जाती है। चारो ओर सुगन्धित बयार छा जाती है। फूल यह मानता है कि उसके साथी और वह बसन्त ऋतु का श्रृंगार है बसंत ऋतु धन्य नहीं बल्कि उसको सुन्दर बनाया फूलों ने, यदि मनुष्य भी मेहनत करे तो वह भी सुन्दर ऋतुओं को बना सकता है। वह मनुष्य को प्रेरणा देता है कि वह भी अपने योगदान से समाज को सुन्दर बनाए

च इस कविता द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

= इस कविता में कवि मेहनत लगन तथा तपस्या का संदेश देना चाहता है। जिस प्रकार फूल कठिन तपस्या से बसंत ऋतु को सुन्दर बनाते है उसी प्रकार मनुष्य को भी जीवन मे आने वाली कठिनाइयों का सामना करते हुए समाज को सुन्दर बनाना चाहिए।

भाषा से :-

समानार्थी शब्द लिखिए :-

खुशबू - सुगन्ध   सहसा - अचानक
बारिश - वर्षा   संतुष्ट - तुष्ट
मौसम - ऋतु   सरदी - ठंड
सुमन - फूल   सूर्य - दिनकर

Page No.____
Date: / /

VIII A/B H.Hindi.
रंग जाती एक ऋतु

उपसर्गों से शब्द बनाइए —

अधि -	अधिपति	अप -	अपमान
उप -	उपराष्ट्रपति	सम् -	सम्मान
अभि -	अभिमान		
अव -	अवधूत		

पदबंधों से विशेषण और विशेष्य अलग कर के लिखिए —

	विशेषण	विशेष्य
रंग बिरंगे फूल	रंग-बिरंगे	फूल
छोटा सा सत्य	छोटा सा	सत्य
सुगन्धित हवा	सुगन्धित	हवा
सन्तुष्ट व्यक्ति	सन्तुष्ट	व्यक्ति
गंभीर प्रश्न	गंभीर	प्रश्न
छोटी छोटी आँखे	छोटी छोटी	आँखे

<u>बंधन</u> शब्द से क्रिया के रूप बनाइए :

बँधना, बाँध-देना, बँधवाना, बँधजाना

वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए —

जो देखने योग्य हो - दर्शनीय

दूसरों पर आश्रित रहने वाला - परावलम्बी / पराश्रित

जिसे जीतना कठिन हो - दुर्जेय

पत्तों से बनाई गई कुटी - पर्णकुटी

VIII A/B H. Hindi

रंग जाती एक ऋतु

6. पुस्तक में करवाया जाएगा –

(ख) सही उत्तर पर निशान लगाइए –

(क) कवि का हृदय कैसे तृप्त हो गया ?
क्यारी में रंग बिरंगे फूल देखकर

(ख) बसंत ऋतु की धन्यता किसने रची है ?
फूलो ने

(ग) फूल को कवि से क्या शिकायत है ?
उसने फूलों की तारीफ नहीं की।

(ग) सही शब्द लिखिए (प्रश्न 6 के उत्तर)
1. ऋतुराज
2. प्रकृति
3. शृंगार
4. आकर्षक
5. संचार
6. गुंजार
7. प्रमुख
8. पर्व